

भाग - III

हरियाणा सरकार

वित्त विभाग

अधिसूचना

दिनांक 28 मार्च, 2013

संख्या सा०का०नि० 10/संवि/अनु० 309/2013.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा राज्य लेखा (ग्रुप ख); सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

भाग I सामान्य

1. ये नियम हरियाणा राज्य लेखा (ग्रुप ख) सेवा नियम, 2013, कहे जा सकते हैं।
2. इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
 - (क) “प्रशासकीय सचिव” से अभिप्राय है, प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, वित्त विभाग;
 - (ख) “आयोग” से अभिप्राय है, हरियाणा लोक सेवा आयोग;
 - (ग) “सीधी भर्ती” से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति से अन्यथा या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण द्वारा की गई हो;
 - (घ) “परीक्षा” से अभिप्राय है सरकार द्वारा आयोजित या इसके किसी अभिकरण द्वारा आयोजित हरियाणा राज्य लेखा सेवाएं परीक्षा भाग - I एवं II (सामान्य शाखा);
 - (ङ) “सरकार” से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा राज्य की सरकार;
 - (च) “संस्था” से अभिप्राय है,—
 - (i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या
 - (ii) इन नियमों के प्रयोजनार्थ सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त कोई अन्य संस्था;
 - (छ) “मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय” से अभिप्राय है,—
 - (i) भारत में विधि द्वारा निगमित कोई विश्वविद्यालय; या
 - (ii) कोई अन्य विश्वविद्यालय जो इन नियमों के प्रयोजनार्थ सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय घोषित किया गया हो; तथा
 - (ज) “सेवा” से अभिप्राय है, हरियाणा राज्य लेखा (ग्रुप ख) सेवा।

संक्षिप्त नाम।

परिभाषाएं।

भाग - II सेवा में भर्ती

पदों की संख्या तथा
उनका स्वरूप।

3. सेवा में इन नियमों के परिशिष्ट क में दर्शाए गए पद होंगे तथा सेवा के सदस्य उनके सामने वर्णित वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे :

परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थाई अथवा अस्थायी रूप से बनाने के सरकार के अन्तर्निहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी।

सेवा में नियुक्त किए
गए उम्मीदवारों की
राष्ट्रीयता अधिवास
तथा चरित्र।

4. (1) कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी भी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक वह निम्नलिखित न हो,—

(क) भारत का नागरिक; या

(ख) नेपाल की प्रजा; या

(ग) भूटान की प्रजा; या

(घ) तिब्बत का शरणार्थी, जो पहली जनवरी, 1962, से पहले भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो; या

(ङ) भारतीय मूल का व्यक्ति जो पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका या कीनिया, युगांडा तथा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) जांबिया, मलावी, जायरे और इथोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीकी देश से प्रवासित होकर भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) या (ङ) से संबंधित किसी प्रवर्ग का, ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।

(2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, आयोग या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जा सकता है।

(3) कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी भी पद पर सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह अपनी अन्तिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था के, यदि कोई हो, प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण-पत्र और दो ऐसे अन्य जिम्मेवार व्यक्तियों से, जो उसके संबंधी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में उससे भली-भांति परिचित हों, और जो उसके विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था से संबंधित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न करे।

आयु।

5. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा, जो आयोग को आवेदन प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि को अथवा उससे पहले इक्कीस वर्ष की आयु से कम या चालीस वर्ष की आयु से अधिक हो।

6. सेवा में किन्हीं पदों पर नियुक्तियां सरकार द्वारा की जायेंगी।

नियुक्ति प्राधिकारी।

7. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर, तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट ख के खाना 3 में उल्लिखित तथा सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति की दशा में पूर्वोक्त परिशिष्ट के खाना 4 में उल्लिखित अर्हताएं तथा अनुभव न रखता हो :

अर्हताएं।

परन्तु सीधी भर्ती की दशा में अनुभव संबंधी अर्हताओं में आयोग या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण के विवेक पर, 50 प्रतिशत तब ढील दी जा सकेगी, यदि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों और शारीरिक रूप से विकलांग प्रवर्गों में उनके लिए आरक्षित रिक्त पदों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध न हों, ऐसा करने के लिए लिखित रूप में, कारण दिए जाएंगे।

8. कोई भी व्यक्ति,—

निरर्हताएं।

(क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है; या

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए, किसी भी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है,

सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार की संतुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है।

9. (1) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जाएगी,—

भर्ती का ढंग।

(क) वरिष्ठ लेखा अधिकारी की दशा में—

(i) 80 प्रतिशत लेखा अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा; तथा

(ii) 20 प्रतिशत कोषाधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा; या

(iii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी अधिकारी के स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;

(ख) लेखा अधिकारी की दशा में—

(i) 30 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा; तथा

(ii) 70 प्रतिशत अधीक्षक/लेखाकार/अनुभाग अधिकारी /वरिष्ठ लेखा परीक्षक में से पदोन्नति द्वारा; या

(iii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;

(2) सभी पदोन्नतियां जब तक अन्यथा उपबंधित न हों, ज्येष्ठता-एवं-योग्यता के आधार पर की जाएंगी तथा केवल ज्येष्ठता ही ऐसी पदोन्नति के लिए कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।

परिवीक्षा।

10. (1) सेवा में किसी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो दो वर्ष की अवधि के लिए, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा :

परन्तु—

(क) ऐसी नियुक्ति के बाद किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि, परिवीक्षा की अवधि में गिनी जाएगी;

(ख) स्थानांतरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले, किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किए गए कार्य की कोई अवधि नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन नियत परिवीक्षा अवधि की ओर गिनने की अनुमति दी जा सकती है; और

(ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जाएगी, किंतु कोई भी व्यक्ति जिसने, ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परिवीक्षा की विहित अवधि पूरी होने पर, यदि वह किसी स्थायी पद पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किए जाने का हकदार नहीं होगा।

(2) यदि, नियुक्ति प्राधिकारी की राय में, परिवीक्षा की अवधि के दौरान, किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो वह,—

(क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है; और

(ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो,—

(i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है; या

(ii) उसके संबंध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्यवाही कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबंधन तथा शर्तें अनुज्ञात करें।

(3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी,—

(क) उसकी राय में, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक रहा हो तो,—

(i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है; या

(ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, स्थायी रिक्ति होने की तिथि से, पुष्ट कर सकता है; या

(iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसने अपनी परीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है; या

(ख) यदि उसका कार्य या आवरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो तो,—

(i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके संबंध में ऐसी अन्य रीति में कार्यवाही कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबंधन तथा शर्तें अनुज्ञात करें; या

(ii) उसकी परीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश कर सकता है जो वह परीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था :

परन्तु परीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि भी, यदि कोई है, शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

11. यदि कोई व्यक्ति सेवा में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया है परीक्षा की अवधि के भीतर परीक्षा पास नहीं करता है, तो उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी। परीक्षा।

12. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता सेवा में किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जायेगी। ज्येष्ठता।

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हों, वहां प्रत्येक संवर्ग के लिए ज्येष्ठता अलग-अलग निश्चित की जायेगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता नियत करते समय आयोग द्वारा निश्चित योग्यताक्रम भंग नहीं किया जायेगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जायेगी,—

(क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य पदोन्नति या स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा;

(ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा;

(ग) पदोन्नति अथवा स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जायेगी, जिनसे वे पदोन्नत या स्थानांतरण किए गए थे; और

(घ) विभिन्न संवर्गों से स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जायेगी, अधिमान ऐसे सदस्यों को दिया

जायेगा जो वह अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो, तो उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार, निश्चित की जायेगी और यदि सेवाकाल, भी समान हो तो आयु में बड़ा सदस्य आयु में छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

सेवा करने का
दायित्व।

13. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, सक्षम प्राधिकारी द्वारा, हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर, सेवा करने के लिए, आदेश दिए जाने पर, ऐसा करने के लिए दायी होगा।

(2) सेवा के किसी भी सदस्य को निम्नलिखित के अधीन प्रतिनियुक्त किया जा सकता है,--

(i) कोई कंपनी, संगम या व्यक्ति निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियन्त्रण राज्य सरकार के पास है, हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण या विश्वविद्यालय;

(ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कंपनी, संगम या व्यक्ति निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो; अथवा

(iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय, जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो या गैर-सरकारी निकाय :

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को, उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) अथवा खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय में सेवा करने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जायेगा।

वेतन, छुट्टी, पेंशन
तथा अन्य मामले।

14. वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के संबंध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबंध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा नियंत्रित होंगे जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाये अथवा बनाये गये हों अथवा इसके बाद अपनाये या बनाये जायें।

अनुशासन, शास्तियां
तथा अपीलें।

15. (1) अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलों से संबंधित मामलों में, सेवा के सदस्य समय-समय पर यथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987, द्वारा नियंत्रित होंगे :

परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती हैं, ऐसी शास्तियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के अधीन रहते हुए वे होंगे, जो इन नियमों के परिशिष्ट ग में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987, के नियम 9 के उपनियम (1) के खंड (ग) या खंड (घ) के अधीन आदेश पारित करने के लिये सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वह होगा जो नियमों के परिशिष्ट घ में विनिर्दिष्ट है।

16. सेवा का प्रत्येक सदस्य जब सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसी टीका लगवाना।
निर्देश करे, टीका लगवाएगा तथा पुनः टीका लगवाएगा।

17. सेवा के प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा राज्यनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जाएगी। राज्यनिष्ठा की शपथ।

18. जहां सरकार की राय में, इन नियमों के किसी उपबंध में ढील देना आवश्यक या समीचीन हो, वहां वह कारण लिखकर आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ढील देने की शक्ति।
ऐसा कर सकती है।

19. इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, सक्षम प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश विशेष उपबंध।
में विशेष निबंधन तथा शर्तें लगाना उचित समझे, तो वह कर सकता है।

20. इन नियमों में दी गई कोई बात, राज्य सरकार द्वारा, इस संबंध में समय-समय पर, आरक्षण।
जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने के लिये अपेक्षित आरक्षण तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी।

परन्तु इस प्रकार किये गये आरक्षण की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

21. हरियाणा राज्य अधीनस्थ लेखा (ग्रुप ख) सेवा नियम, 1982, इसके द्वारा, निरसित तथा व्यावृत्ति।
किए जाते हैं :

परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्यवाई इन नियमों के अनुरूप उपबंधों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्यवाई समझी जायेगी।

परिशिष्ट क

(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या			वेतनमान
		स्थायी	अस्थायी	जोड़	
1	2	3	4	5	6
1.	परिशिष्ट लेखा अधिकारी	07	19	26	15600-39100+6000/- रुपए ग्रेड वेतन
2.	लेखा अधिकारी	9	188	197	9300-34800+5400/- रुपए ग्रेड वेतन

परिशिष्ट ख
(देखिए नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो
1	2	3	4
1.	वरिष्ठ लेखा अधिकारी		<p>पदोन्नति द्वारा -</p> <p>लेखा अधिकारी के रूप में तीन वर्ष का अनुभव: या कोषाधिकारी के रूप में तीन वर्ष का अनुभव तथा जिसने सरकार द्वारा आयोजित या इसके किसी अभिकरण द्वारा आयोजित हरियाणा राज्य लेखा सेवाएं भाग-I तथा II (सामान्य शाखा) परीक्षा पास।</p> <p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा-</p> <p>(i) चार्टर्ड अकाउंटेंट होना चाहिये।</p> <p>(ii) लेखा अधिकारी या कोषाधिकारी के रूप में तीन वर्ष का अनुभव।</p> <p>(iii) दसवीं स्तर तक या उच्चतर शिक्षा में हिन्दी/संस्कृत का ज्ञान हो।</p>
2.	लेखा अधिकारी	<p>(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से 60 प्रतिशत अंकों (प्रथम श्रेणी) सहित वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री (एम० काम०) तथा किसी विख्यात संगठन में लेखा का तीन वर्ष का अनुभव रखता हो; या</p> <p>(ii) भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान से चार्टर्ड अकाउंटेंट; तथा</p> <p>(iii) दसवीं स्तर तक या उच्चतर शिक्षा में हिन्दी/संस्कृत का ज्ञान।</p>	<p>पदोन्नति द्वारा-</p> <p>अधीक्षक/लेखाकार/अनुभाग अधिकारी/वरिष्ठ लेखा परीक्षक के रूप में तीन वर्ष का अनुभव तथा जिसने सरकार द्वारा आयोजित या इसके किसी अभिकरण द्वारा आयोजित हरियाणा राज्य लेखा सेवाएं भाग-I तथा II (सामान्य शाखा) परीक्षा पास की हो।</p> <p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा-</p> <p>(i) चार्टर्ड अकाउंटेंट होना चाहिये; या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 60 प्रतिशत अंकों सहित (एम० काम०);</p> <p>(ii) अधीक्षक/लेखाकार/अनुभाग अधिकारी/वरिष्ठ लेखा परीक्षक के रूप में तीन वर्ष का अनुभव;</p> <p>(iii) दसवीं स्तर तक या उच्चतर शिक्षा में हिन्दी/संस्कृत का ज्ञान हो।</p>

परिशिष्ट ग

[देखिए नियम 15 (1)]

क्रम संख्या	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6
1	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	सरकार	छोटी शास्तियां (i) वैयक्तिक फाईल (आचरण पंजी) पर प्रति रखते हुए चेतावनी ; (ii) परिनिन्दा ; (iii) पदोन्नति रोकना ; (iv) आदेशों की उपेक्षा या उल्लंघन द्वारा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार को या ऐसी कंपनी तथा संगम या व्यष्टि निकाय चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण सरकार के पास है, संसद या राज्य विधानमंडल के अधिनियम द्वारा स्थापित किसी स्थानीय प्राधिकरण या विश्वविद्यालय को हुई धन संबंधी पूरी हानि की या उसके भाग की वेतन से वसूली ; (v) संचयी प्रभाव के बिना वेतन वृद्धियां रोकना;	प्रशासनिक सचिव	सरकार
2	लेखा अधिकारी		बड़ी शास्तियां (vi) संचयी प्रभाव से वेतन वृद्धियां रोकना ; (vii) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए समयमान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति ऐसे अतिरिक्त निदेशों सहित कि क्या सरकारी कर्मचारी ऐसी अवनति की अवधि के दौरान वेतन वृद्धियां अर्जित करेगा या नहीं और क्या ऐसी अवधि की समाप्ति पर, ऐसी अवनति उसकी भावी वेतन वृद्धियां स्थगित करने का प्रभाव रखेगी या नहीं ;	सरकार	

1	2	3	4	5	6
			(viii)	निम्नतर वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर ऐसी अवनति, जो सरकारी कर्मचारी के समथ वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर, जिससे वह अवनत किया गया था, पदोन्नति के लिए साधारणतया रोक होगी, ऐसा जिस ग्रेड, पद अथवा सेवा से सरकारी कर्मचारी अवनत किया गया था, उस पर बहाली संबंधी और उसकी ज्येष्ठता तथा उस ग्रेड, पद या सेवा पर वेतन के बारे में शर्तों संबंधी अतिरिक्त निदेशों के साथ या उसके बिना होगा ;	
			(ix)	अनिवार्य सेवा निवृत्ति ;	
			(x)	सेवा से हटाया जाना, जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिए निरर्हता नहीं होगी ;	
			(xi)	सेवा से पदच्युति, जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिए सामान्यतया निरर्हता होगी।	

परिशिष्ट घ

[देखिए नियम 15 (2)]

क्रम संख्या	पदनाम	आदेश का स्वरूप	आदेश करने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5
1	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	(i) पेंशन को शासित करने वाले नियमों के अधीन उसे अनुज्ञेय साधारण/अतिरिक्त पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना;	सरकार	---
2	लेखा अधिकारी	(ii) उसके अधिवर्षिता के लिए नियत आयु का होने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति ;		

संजीव कौशल,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
वित्त विभाग।

[Authorised English Translation]

HARYANA GOVERNMENT

FINANCE DEPARTMENT

Notification

The 28th March, 2013

No. G.S.R. 10/Const./Art.309/2013.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the recruitment and conditions of service of persons appointed to the Haryana State Accounts Service (Group B) Rules, namely:—

PART I - GENERAL

1. These rules may be called the Haryana State Accounts Service (Group B) Rules, 2013. Short title

2. In these rules, unless the context otherwise requires.— Definitions.

- (a) "Administrative Secretary" means the Principal Secretary to Government Haryana, Finance Department;
- (b) "Commission" means the Haryana Public Service Commission;
- (c) "Direct Recruitment" means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer of an officer already in the Service of the Government of India or any State Government;
- (d) "Examination" means Haryana State Accounts Services Examination Part I and II (Ordinary Branch) conducted by the Government or conducted by it through any agency;
- (e) "Government" means the Government of the State of Haryana in the Administrative Department;
- (f) "institution" means,—
 - (i) any institution established by law in force in the State of Haryana; or
 - (ii) any other institution recognized by the Government for the purpose of these rules;
- (g) "recognized university" means;—
 - (i) any university incorporated by law in India; or
 - (ii) any other university which is declared by the Government to be a recognized university for the purpose of these rules; and
- (h) "Service" means the Haryana State Accounts (Group B) Service.

PART II - RECRUITMENT TO SERVICE

Number and
Character of
Posts.

3. The Service shall comprise the posts shown in Appendix A to these rules and members of the Service shall draw pay in the scales of pay shown thereagainst :

Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to, or reduction in, the number of such posts or to create new posts with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily.

Nationality,
domicile and
character of
candidates
appointed to
Service.

4. (1) No person shall be appointed to the Service, unless he is,—

- (a) a citizen of India; or
- (b) a subject of Nepal; or
- (c) a subject of Bhutan; or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or any of the East African Countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India :

Provided that a person belonging to any of the categories (b), (c), (d) or (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.

(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to an examination or interview conducted by the Commission or any other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.

(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of the character from the Principal Academic Officer of the university, college, school or institution, last attended, if any, and similar certificate from two other persons, not being his relatives, who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, college, school, or institution.

Age.

5. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment who is less than twenty one years or more than forty years of age, on or before the 1st day of month next proceeding the last date of submission of application to the Commission.

6. Appointments to the posts in the Service shall be made by the Government.

Appointing
Authority.

7. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of appointment other than by direct recruitment :

Qualifications.

Provided that in case of direct recruitment, the qualifications regarding experience shall be relaxable to the extent of 50% at the discretion of the Commission in case sufficient number of candidates belonging to Scheduled Castes, Backward Classes, Ex-servicemen and Physical Handicapped categories, possessing the requisite experience, are not available to fill up the vacancies reserved for them, after recording reasons for so doing in writing.

8. No person,—

Disqualification.

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any post in the Service :

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

9. (1) Recruitment to the Service shall be made,—

Method of
recruitment.

(a) in the case of Senior Accounts Officer,—

- (i) 80% by promotion from amongst Accounts Officers; and
- (ii) 20% by promotion from amongst Treasury Officers; or
- (iii) by transfer/deputation of an officer /official already in the service of the any State Government or the Government of India.

(b) in the case of Accounts Officers,—

- (i) 30% by direct recruitment; and
- (ii) 70% by promotion from amongst Superintendents, Accountants and Section Officers/Senior Auditors; or
- (iii) by transfer or deputation of an officer /official already in the service of any State Government or the Government of India.

(2) All promotions, unless otherwise provided shall be made on the basis of seniority-cum-merit basis and seniority alone shall not confer any right to such promotions.

Probation.

10. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation, for a period of two years, if appointed by direct recruitment and one year, if appointed otherwise :

Provided that,—

- (a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation;
- (b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to the Service may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and
- (c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the specified period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.

(2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may,—

- (a) If such person is appointed by direct recruitment, dispense with his service; and
- (b) If such person is appointed otherwise than by direct recruitment,
 - (i) Revert him to his former post; or
 - (ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit.

(3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may,—

- (a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory,—
 - (i) confirm such person from the date of his appointment, if appointed against a permanent vacancy; or
 - (ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy; or
 - (iii) declare that he has completed his probation satisfactorily, if there is no permanent vacancy; or

(b) If his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory.—

(i) dispense with his services, if appointed by direct recruitment, and if appointed otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner, as the terms and conditions of his previous appointment permit; or

(ii) extend his period of probation and thereafter pass such orders, as it could have passed on the expiry of the first period of probation :

Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.

11. If a person recruited to the Service by direct appointment does not pass the examination within the period of probation, his services shall be dispensed with.

Examination.

12. Seniority, *inter-se* of the members of the Service shall be determined by the length of continuous service on any post in the Service :

Seniority.

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre :

Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the Commission, shall not be disturbed in fixing the seniority:

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows:—

- (a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer;
- (c) in the case of members appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment, and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointment and if the length of such service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

13. (1) A member of the Service shall be liable to serve at any place whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.

Liability to serve.

(2) A member of the Service may also be deputed to serve under.—

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a municipal corporation, a local authority or university within the State of Haryana;
- (ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government; or
- (iii) any other State Government, an international organization, an autonomous body not controlled by the Government or a private body;

Provided that no member of the Service shall be deputed to serve under the Central or any other State Government or any organization or body referred to in clause (ii) or clause (iii) except with his consent.

Pay, Leave,
Pension and
other matters.

14. In respect of pay, leave, pension and all other matters not expressly provided for in these rules, the member of the Service shall be governed by such rules and regulations as may have been, or may hereinafter be, adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature.

Discipline,
penalties and
appeals.

15. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987, as amended from time to time :

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix C to these rules.

(2) The authority competent to pass an order under clause (c) or clause (d) of sub-rule (1) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987 and appellate authority shall be such as specified in Appendix D to these rules.

Vaccination.

16. Every member of the Service shall get himself vaccinated or revaccinated as and when the Government so directs by a special or general order.

Oath of
allegiance.

17. Every member of the Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India, as by law established.

Power of
relaxation.

18. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

19. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.

Special
provision

20. Nothing contained in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Backward Classes, Ex-servicemen, Physically Handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the Government in this regard from time to time :

Reservations.

Provided that the total percentage of reservations so made shall not exceed fifty percent, at any time.

21. The Haryana Accounts (Group B) Service Rules, 1982, are hereby repealed :

Repeal and
Savings.

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

APPENDIX A

(See rule 3)

Sr. No.	Designation of posts	Number of Posts			Scale of Pay (in Rs.)
		Permanent	Temporary	Total	
1	2	3	4	5	6
1.	Senior Accounts Officer	07	19	26	15600-39100+6000/- Grade Pay
2.	Accounts Officer	09	188	197	Rs. 9300-34800+5400/- Grade Pay

APPENDIX - B

(See rule 7)

Sr. No.	Designation of posts	Academic qualification and experience, if any, for direct recruitment	Academic qualifications and experiences, if any, for appointment other than by direct recruitment
1	2	3	4
1.	Senior Accounts Officer	—	<p>By promotion—</p> <p>Three years experience as Accounts Officer; or</p> <p>Three years experience as Treasury Officer and has passed the Haryana State Accounts Service Examination Part-I and Part-II conducted by Government or got conducted by it through any agency.</p> <p>By transfer/deputation—</p> <p>(i) Should be a Chartered Accountant;</p> <p>(ii) Three years experience as Accounts Officer or Treasury Officer;</p> <p>(ii) Knowledge of Hindi/ Sanskrit upto Matric Standard or higher education.</p>
2.	Accounts Officer	<p>(i) Master Degree in Commerce (M.Com) with 60% marks (1st division) having three years experience or above in an organization of repute; or</p> <p>(ii) Chartered Accountant from the Institution of Chartered Accountant of India; and</p> <p>(iii) Knowledge of Hindi Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>	<p>By promotion—</p> <p>Three years experience as Superintendent, Accountant, Section Officer/Senior Auditor who have passed both parts of Haryana State Accounts Service Examination (Ordinary Branch) conducted by the Government or got conducted by it through any agency.</p> <p>By transfer/deputation—</p> <p>(i) Should be a Chartered Accountant; or M.Com from a recognized University with 60% marks;</p> <p>(ii) Three years experience as Superintendent/Accountant/Section Officer/Senior Auditor;</p> <p>(ii) Knowledge of Hindi/ Sanskrit upto Matric Standard or higher education.</p>

APPENDIX C

[See rule 15(1)].

Sr. No.	Designation of posts	Appointing Authority	Nature of penalty	Authority empowered to impose penalty	Appellate Authority
1	2	3	4	5	6
1.	Senior Accounts Officer	Government	Minor Penalties : (i) warning with a copy in the personal file (character roll) (ii) censure; (iii) withholding of promotion; (iv) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by negligence or breach of orders, to the Central Government or a State Government or to a Company and association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or sub-incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Government or to a local authority set up by an Act of Parliament or of the Legislature of a State ; and (v) withholding of increments of pay without cumulative effect;	Administrative Secretary	Government
2.	Accounts Officer		Major Penalties : (vi) withholding of increments of pay with cumulative effect; (vii) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period, with further directions as to whether or not the Government employee will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his pay; (viii) reduction to a lower scale of pay, grade, post of Service which shall	Government	

1	2	3	4	5	6
			ordinarily be a bar to the promotion of the Government employee to the time scale of pay, grade, post of service from which he was reduced with or without further directions regarding conditions of restoration to the grade or post or service from which the Government employee was reduced and his seniority and pay on such restoration to the grade, post or service;		
			(ix) Compulsory retirement;		
			(x) removal from service which shall not be a disqualification for future employment under the Government;		
			(xi) dismissal from service which shall ordinarily be a disqualification for future employment under the Government.		

APPENDIX D

[See rule 15(2)]

Sr. No.	Designation of Posts	Nature of order	Authority empowered to make the order	Appellate Authority
1	2	3	4	5
1.	Senior Accounts Officer	(i) Reducing or withholding the amount of ordinary/additional pension admissible under the rules governing pension;	Government	—
2.	Accounts Officer	(ii) terminating the appointment of a member of the Service otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.		

SANJEEV KAUSHAL,
Principal Secretary to Government Haryana,
Finance Department.